www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 भारत चाहता है यह युद्ध का नहीं, शांति का...
3 डीएम ने सभी कोषांगों के वरीय नोडल अधिकारियों...
4 जींद में होने वाले भव्य परिचय सम्मेलन को...

वर्ष: 9 | अंक: 302 | दिल्ली, मंगलवार, 26 अगस्त 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

महायुति सरकार कृषि ऋण माफी के वादे से पीछे नहीं हटी: अजित पवार

महाराष्ट्र (एजेन्सी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा है कि महायुति सरकार किसानों की कर्ज माफी के अपने वादे से पीछे नहीं हटी है और आश्वस्त किया कि उचित समय पर इस संबंध में कदम उठाए जाएंगे। विपक्षी दल कांग्रेस सत्तारूढ़ गठबंधन पर कृषि ऋण माफी में देरी करने और राज्य के किसानों की दुर्दशा के प्रति चिंता नहीं जताने का आरोप लगाते हुए निशाना साध रही है। पवार ने रविवार को पत्रकारों से कहा, हम कृषि ऋण माफी के अपने वादे से पीछे नहीं हटे हैं। हम महायुति घोषणापत्र में दिए गए आश्वासनों के प्रति प्रतिबद्ध हैं। एक समिति का गठन किया गया है, क्योंकि ऐसे फैसलों में वित्तीय पहलुओं पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के साथ दृढ़ता से खड़ी है। उन्होंने कहा, हमने कभी नहीं कहा कि हम ऋण माफी नहीं करेंगे। सही समय पर, समिति विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करेगी।

हर श्रेय लूटने की कोशिश में रहते हैं भाजपा के लोग: अखिलेश

उत्तर प्रदेश (एजेन्सी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अंतरिक्ष यात्रा के जरिये इतिहास बनाकर पहली बार अपने गृह जनपद लखनऊ पहुंचे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को बधाई देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उनका नागरिक अभिनंदन किये जाने पर परोक्ष रूप से कटाक्ष किया। यादव ने यहां प्रेस कांफ्रेंस में शुभांशु के अंतरिक्ष यात्रा के बाद पहली बार लखनऊ पहुंचने का जिक्र होने पर कहा, उनको बहुत बधाई। बहुत बड़ा काम किया उन्होंने। कितनी मेहनत करनी पड़ी होगी, कितनी ट्रेनिंग से उन्हें गुजरना पड़ा होगा, तब उन्हें यह कामयाबी मिली यह देश के लिए और व्यक्तिगत तौर पर उनके और उनके परिवार के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुभांशु का नागरिक अभिनंदन किये जाने की तरफ इशारा करते हुए कहा, इस यात्रा ने पूरे देश का सम्मान बढ़ाया है। इसमें पूरे देश के संसाधन लगे हैं, लेकिन भाजपा के लोग हर श्रेय लूटने के चक्कर में रहते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अहमदाबाद में 1,400 करोड़ रुपए की रेलवे परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

गोरखपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में 1,400 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न रेलवे परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। ये परियोजनाएं विशेष रूप से उत्तर गुजरात के महेसाणा, पाटण, बनासकांठा, गांधीनगर और अहमदाबाद जिलों को लाभान्वित करेंगी। ये रेलवे परियोजनाएं क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, औद्योगिक विकास, लॉजिस्टिक्स दक्षता और रोजगार सृजन में उल्लेखनीय योगदान देंगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रेलवे की जो परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की उनमें 537 करोड़ रुपए की लागत से तैयार महेसाणा-पालनपुर रेल लाइन (65 किमी) का दोहरीकरण, 347 करोड़ रुपए की लागत से कलोल-कड़ी-कटोसन रोड रेल लाइन (37 किमी) का गेज कन्वर्जन और 520 करोड़ रुपए की लागत से बेचराजी-रणुंज रेल लाइन (40 किमी) का गेज कन्वर्जन शामिल है। ये रेलवे परियोजनाएं विशेष रूप से उत्तर गुजरात के महेसाणा, बनासकांठा और पाटण जिले को ब्रॉडगेज लाइन के माध्यम से सहज, सुरक्षित और निर्बाध संपर्क प्रदान करेंगी। इससे दैनिक यात्रियों, पर्यटकों और व्यवसायों के लिए आवागमन अधिक सरल और तेज होगा। साथ ही, क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा।

अतिरिक्त लाइन क्षमता के कारण अहमदाबाद-दिल्ली मार्ग पर तेज गति से ट्रेनों का संचालन संभव होगा। इससे अधिक यात्री ट्रेनों के संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा और मालगाड़ियों की गति एवं दक्षता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। इस प्रकार यह परियोजनाएं गुजरात की आर्थिक गतिविधियों को नई ऊर्जा प्रदान करेंगी।

बेचराजी-रणुंज रेल लाइन का गेज कन्वर्जन नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी और पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान फॉर मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के अनुरूप किया गया है। इसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना और गुजरात राज्य की लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स रैंकिंग में और बेहतर सुधार लाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यह पहल उत्तर गुजरात की सामाजिक-आर्थिक प्रगति को और गति प्रदान करेगी। साथ ही, भारत के लॉजिस्टिक्स और रेलवे क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित करेगी।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कटोसन रोड और साबरमती के बीच यात्री ट्रेन सेवा कड़ी से एवं बेचराजी से कार-लोडेड मालगाड़ी सेवा का भी शुभारंभ किया। कटोसन-साबरमती रोड नई ट्रेन सेवा न केवल पर्यटन और धार्मिक स्थलों तक पहुंच को आसान बनाएगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगी।

इसी तरह, बेचराजी से शुरू होने वाली कार-लोडेड मालगाड़ी राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों को मजबूत कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। इससे लॉजिस्टिक्स नेटवर्क का विस्तार होगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इन दोनों रेल सेवाओं से क्षेत्र को पर्यावरण अनुकूल, टिकाऊ और उच्चगति वाला परिवहन विकल्प उपलब्ध होगा। इससे न केवल यात्रा समय में कमी आएगी बल्कि क्षेत्रीय औद्योगिक विकास, निवेश आकर्षण और रोजगार सृजन में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। ये सभी रेलवे परियोजनाएं विकसित गुजरात से विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

भारत के लोकतंत्र की नींव बलिदान और संघर्ष पर टिकी है: सीएम रेखा गुप्ता

एसबी संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि भारत के लोकतंत्र की नींव बलिदान और संघर्ष पर टिकी है और हर जनप्रतिनिधि का पहला संकल्प राष्ट्रहित होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि विचारों में मतभेद लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन जनता और राष्ट्रहित से जुड़े निर्णयों में सभी राजनैतिक दलों को एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए।

■ मतभेद लोकतंत्र की शक्ति, लेकिन राष्ट्रहित में एकजुटता आवश्यक: सीएम रेखा गुप्ता

दिल्ली विधानसभा में आयोजित ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस के समापन सत्र में मुख्यमंत्री ने मंच पर उपस्थित लोकसभा स्पीकर श्री ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष श्री विजेंद्र गुप्ता सहित सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह सम्मेलन सभी राज्यों से आए स्पीकरों और डिप्टी स्पीकरों के लिए अपने दायित्व और प्रतिबद्धता को पुनः स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने महिला स्पीकर्स और डिप्टी स्पीकर्स की भागीदारी को विशेष रूप से प्रेरणादायक बताया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भारत की पहली केंद्रीय विधायनसभा के 100 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीयों द्वारा विधानसभा की अध्यक्षता संभालना देश के लोकतंत्र की वास्तविक शुरूआत थी।

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को नमन करते हुए कहा कि आज जब हमें अपने संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं के साथ स्वतंत्र भारत का नेतृत्व करने का अवसर मिला है तो यह हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि हम उस आजादी की गरिमा को और मजबूत करें। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि जनप्रतिनिधियों को हमेशा 'राष्ट्र प्रथम, पार्टी द्वितीय, स्वयं अंतिम' के सिद्धांत पर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विचारों में मतभेद लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन जनता और राष्ट्रहित से जुड़े निर्णयों में सभी दलों को एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने महान स्वत्रतंत्रा सेनानी विट्ठल भाई पटेल के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी लोकतंत्र और विधायी कार्यों के आदर्श स्थापित किए। उन्होंने कहा कि आज सभी जनप्रतिनिधियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि सदनों में होने वाली बहस और चर्चा जनता के हित में हो तथा लोकतंत्र की गरिमा बढ़ाने वाली हो।

दिल्ली की विविध सांस्कृतिक धरोहर ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है: सीएम

रेखा गुप्ता ने चालिहा साहिब महोत्सव की भव्य शोभा यात्राओं में दी सहभागिता

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता राजधानी में आयोजित चालिहा साहिब महोत्सव की भव्य शोभा यात्राओं में शामिल हुईं। पहली शोभायात्रा का शुभारंभ श्री झूलेलाल मंदिर, सिंधी पंचायत, शालीमार बाग से हुआ। यह यात्रा सिंधी समाज की आस्था और संस्कृति का अद्भुत प्रतीक बनी, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मुख्यमंत्री ने यात्रा में शामिल होकर श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया और कहा कि यह महोत्सव भाईचारे, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को सशक्त बनाने का प्रतीक है। उन्होंने सिंधी समाज की दिल्ली के सामाजिक व आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री लायंस स्कूल, जी-ब्लॉक, अशोक विहार, फेज-1 से प्रारंभ होकर श्री झूलेलाल मंदिर, अशोक विहार तक आयोजित दूसरी शोभा यात्रा में भी सम्मिलित हुईं। यहां भी समाज के हजारों लोग पारंपरिक वेशभूषा और भक्ति संगीत के साथ शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि दिल्ली की विविध सांस्कृतिक धरोहर ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। सिंधी समाज द्वारा हर वर्ष आयोजित किया जाने वाला चालिहा साहिब महोत्सव न केवल धार्मिक आस्था का उत्सव है, बल्कि यह समाज को एकजुट करने और भावी पीढ़ियों तक अपनी परंपराओं को पहुंचाने का माध्यम भी है। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी में सभी समुदायों की परंपराओं और त्योहारों को सम्मान व सहयोग देती रहेगी ताकि दिल्ली की गंगा-जमुनी तहजीब को और मजबूती मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं पूरे हृदय से दिल्ली सरकार की ओर से आप सभी का अभिनंदन करती हूं। सिंधी समाज को बाबा झूलेलाल की इस भव्य शोभायात्रा के लिए मैं ढेरों शुभकामनाएं और बधाई देती हूं। हर वर्ष इसी भव्यता के साथ बाबा की सवारी नगर भ्रमण करती है और जन-जन इसका स्वागत करता है। इस चैलिहा महोत्सव पर मेरी यही प्रार्थना है कि बाबा झूलेलाल की कृपा हम सब पर, पूरे दिल्ली, पूरे देश और विश्व पर बनी रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा का विशेष आशीर्वाद मुझे और आप सबको सदैव मिलता रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बाबा का आशीर्वाद यूं ही हम सब पर बना रहे।

दिल्ली में होगा रामलीला का अब तक का सबसे भव्य आयोजन: रविन्द्र इंद्राज

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने रोहिणी सेक्टर-23 स्थित डीडीए रामलीला ग्राउंड में रामलीला महोत्सव आयोजन को लेकर सनातन संस्कारम संस्था से जुड़े सदस्यों एवं स्थानीय निवासियों के साथ बैठक की। इस बैठक में रामलीला की मंचन व्यवस्था और सरकार की ओर से किए गए महत्वपूर्ण फैसलों पर चर्चा हुई।

बैठक के दौरान कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इस वर्ष रामलीला का आयोजन पहले से कहीं अधिक भव्य, आकर्षक और सुव्यवस्थित होगा। जन सहयोग से दिल्ली सरकार ने आयोजन को सुगम और सुविधापूर्ण बनाने के लिए इंतजाम किये हैं। श्री इंद्राज ने कहा कि रामलीला आयोजन की अनुमतियों के लिए आयोजकों को भटकना नहीं पड़ेगा, माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के निर्देश पर इस वर्ष पहली बार जिला स्तर पर डीएम की अध्यक्षता में सिंगल विंडो सिस्टम की व्यवस्था की गई है। इसके अंतर्गत सभी संबंधित विभागों की अनुमति एक ही स्थान पर समयबद्ध ढंग से मिल सकेगी। इस कदम से आयोजकों और स्थानीय संस्थाओं को राहत मिलेगी और आयोजन में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होगी।

■ 'पहली बार जिला स्तर पर सिंगल विंडो सिस्टम से मिलेंगी सभी अनुमतियाँ'

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि रामलीला मंचन हेतु भूमि की सिक्योरिटी राशि को 20 रुपये प्रति वर्गमीटर से घटाकर 15 रुपये प्रति वर्गमीटर कर दिया गया है। यह निर्णय आयोजक संस्थाओं पर आर्थिक बोझ को कम करेगा और अधिक से अधिक संस्थाओं को बड़े स्तर पर आयोजन के लिए प्रोत्साहित करेगा। साथ ही रामलीला मंचन के साथ बनने वाले मनोरंजन स्थलों का क्षेत्रफल, कुल उपलब्ध क्षेत्रफल का 40 प्रतिशत निर्धारित किया है। इससे रामलीला मैदानों में डांडिया समेत अन्य सांस्कृतिक एवं धार्मिक-सामाजिक गतिविधियों का आयोजन भी सुगमता से किया जा सकेगा।

बैठक में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी, रामलीला समिति के सदस्य और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने दिल्ली सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया और भरोसा दिलाया कि सरकार के सहयोग से इस बार की रामलीला, राजधानी की अब तक की सबसे भव्य रामलीला होगी।

श्री इंद्राज ने कहा कि रामलीला के माध्यम से हमें सत्य, धर्म और आदर्श जीवन मूल्यों का संदेश मिलता है। दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित है कि राजधानी में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक आयोजन विश्वस्तरीय हों और नई पीढ़ियों तक नैतिक और सामाजिक मूल्यों का सन्देश पहुंचाएं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप दिल्ली को 'ग्लोबल टूरिज्म हब' बनाने के लिए दिल्ली सरकार संकल्पबद्ध: कपिल मिश्रा

सेमिनार में मंत्री कपिल मिश्रा ने पर्यटन क्षेत्र के विभिन्न संगठनों से महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त किए गए

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने Constitution Club of India में आयोजित 'Seminar to Promote Tourism in Delhi' में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिल्ली को वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में विचार-विमर्श करना था।

इस चर्चा में टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स, टूर ऑपरेटर्स और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े विभिन्न संगठनों ने भाग लेकर अपने अनुभव और सुझाव साझा किए।

इस मौके पर पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली के पर्यटन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का हमारा संकल्प है। टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स और टूर ऑपरेटर्स के सुझावों और अनुभवों से बहुत कुछ जानने और समझने का अवसर मिला।

दिल्ली को एक विश्व स्तरीय टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनाने के लिए सरकार और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोग मिलकर काम करेंगे, यही हमारा विश्वास है। नीतिगत निर्णयों को एक साथ बैठकर सुलझा लिया जायेगा।

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप दिल्ली को ग्लोबल टूरिज्म हब बनाने के लिए दिल्ली सरकार संकल्पबद्ध है और दिल्ली के पर्यटन को विश्वव्यापी प्रमोट करने के लिए जल्द ही ब्रांडिंग कैपेन सरकार लॉन्च करने जा रही है। मंत्री कपिल मिश्रा ने आगे कहा कि स्मारकीय पर्यटन के साथ ही आधुनिक पर्यटन केन्द्रों को भी लोकप्रिय बनाने पर दिल्ली सरकार का पूरा जोर है, इसके तहत पर्यटन के नए केन्द्रों को भी प्रमोट किया जा रहा है जिसमें प्रधानमन्त्री संग्रहालय, यशोभूमि, कर्तव्य पथ और भारत मंडपम जैसी भव्य इमारतें शामिल हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करेगी वाईब्रेंट विलेज योजना, दो दिवसीय कार्यशाला में अमित शाह ने लिया भाग

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को 'वाईब्रेंट विलेज कार्यक्रम' पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया। गृह मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, सरकार ने अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के 19 जिलों में उत्तरी सीमा से सटे 46 ब्लॉकों के चुनिंदा गाँवों के व्यापक विकास के लिए 15 फरवरी, 2023 को केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में जीवंत ग्राम कार्यक्रम-I (VVP-I) को मंजूरी दी। शुरूआत में, कार्यक्रम के तहत प्राथमिकता के आधार पर व्यापक विकास के लिए 662 सीमावर्ती गाँवों की पहचान की गई थी। राज्यवार गाँवों की संख्या इस प्रकार है: अरुणाचल प्रदेश-455, हिमाचल प्रदेश-75, सिक्किम-46, उत्तराखंड-51 और लद्दाख (केंद्र शासित प्रदेश)-35। अप्रैल में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सुरक्षित, संरक्षित और जीवंत भूमि सीमाओं के दृष्टिकोण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-II को मंजूरी दी।

यह कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय भूमि सीमाओं से सटे ब्लॉकों में स्थित गाँवों के व्यापक विकास में मदद करेगा, VVP-I के तहत पहले से ही शामिल उत्तरी सीमा के अलावा।

सम्पादकीय

आमजन परेशान

सरकारों का काम आदमी के जीवन को सरल बनाना है। तकनीक के माध्यम से उसे ऐसी सुविधाएं देना है कि वह परेशान न हो, किंतु भारत में हो इसके विपरीत रहा है। उन्हें अलग-अलग काम के लिए थोड़ी- थोड़ी बात के लिए परेशान किया जा रहा है। उनके जीवन को दुरूह किया जा रहा है। आज सबसे बड़ी परेशानी हैं बैंको में जाकर खाते की केवाईसी कराने की। बैंकों की केवाईसी के नाम पर बैंक खाताधारक को परेशान किया जा रहा है। हालत यह है कि केवाईसी करानी है, इसकी उसे सूचना भी नहीं मिलती। उसे उसके लिए बैंक की ओर से मैसेज भी नहीं आता। मेल आनी चाहिए। किंतु ऐसा हो नहीं रहा। वैसे प्रत्येक ट्रांजेक्शन के मैसेज आते रहते हैं। केबाईसी कराना है, इसका पता तब चलता है जब खातेधारक के चैक का भुगतान रोक दिया जाता है। वह पेमेंट नहीं कर पाता। भुगतान रोकने के कारण चैक जारी करने वाले पर संबधित बैंक या सस्थाएं चार सौ से आठ सौ रुपए तक का जुमार्ना लगा देती है। मैंने पिछले साल ओरियंटल इंशोरेंस कंपनी को अपनी मेडिक्लेम पोलिसी के लिए चैक दिया। चैक बैंक गया तो भुगतान रूक गया। मैं बैंक गया। बैंक प्रबंधक ने खाता देखकर कहा कि खाता आपका जारी है। चैक का भुगतान कैसे रूका पता नहीं। उनके एक स्टाफ ने देखकर बताया कि खाता बंद किया हुआ है। बैंक प्रबंधक ने कहा कि अब सब कंप्यूटराइज है। हमें पता नहीं चलता और खुद जाता है। बैंक स्टाफ के पता है या नहीं। इससे खाताधारक को क्या लेना। मेरे से तो इंश्योरेंस कंपनी ने चैक डिस ओनर होने के छह सौ रुपए अतिरिक्त वसूल लिए। मुझे तो फालतू का छह सौ रुपए का दंड़ पड़ गया। अभी लाकर आपरेट करने बैंक जाना पड़ा तो बैंक स्टाफ ने कहा कि इसकी केवाईसी कराइये। हमने कहा कि अभी खाते की तो कराई है। उनका कहना था कि बैंक लॉकर की भी करानी है। लाँकर बैंक के खाते से जुड़ा है, यह बताने पर भी बैंक कर्मी नहीं माने। यदि आपके पास चार-पांच बैंक खाते हैं तो प्रत्येक दो साल से केवाईसी कराने जरूर जाना होगा। अभी तक बैंक खाते चालू रखने के लिए केवाईसी करानी थी। अब बिजली विभाग के मैसेज आ रहे हैं, कि अपने कनेक्शन की ईकेवाईसी कराइए। आज जहां चारों ओर धोखे का जाल फैला है। ठग आपको फंसाने में लगे हैं, ऐसे में किस मैसेज को सही माना जाए, किसे गलत यह कैसे पता चले। अभी परिवहन विभाग का मैसेज आया है कि आधार आथोराइजेशन माध्यम से अपने ड्राइविंग लाइसेंस पर अपना मोबाइल नंबर अपडेट कराइए। समझ नही आ रहा कि क्या-क्या कराएं। हम पर ये सब करना नहीं आता। इसका मतलब ये की रोज जनसेवा केंद्र पर जाइये। लाइन में लगिए और पैसा भी दीजिए। लगता है कि कहीं ये जनसेवा केंद्र की आय बढ़ाने के लिए तो नहीं किया जा रहा। अभी पिछले दिनों आदेश आया कि अपना आधार कार्ड प्रत्येक दस साल में अपडेट कराना है। मैं छोटे शहर में रहता हूं। यहां कि आबादी दो लाख के करीब है। पूरे शहर में आधार कार्ड अपडेट कराने का एक ही सेंटर है। मुख्य डाकघर। उसमें आधार कार्ड बनवाने वालों की सवेरे आठ बजे से लाइन लग जाती है। हम 75 साल से ऊपर के पति-पत्नी कैसे उस लाइन में लगें, ये कोई सोचने और बताने वाला नहीं है। दूसरे केंद्र का दरवाजा खुलने पर इस तरह धक्का-मुक्की होती है कि हम लाइन में लगे तो हाथ-पांव तुड़ाकर जरूर अस्पताल जांएगे। केंद्र सरकार/रिजर्व बैंक को आदेश करना चाहिए कि बैंक अपने यहां अतिरिक्त स्टाफ रखे। उसके कार्य सिर्फ खाते धारकों से समय लेकर उनके खातों की केवाईसे कराना हो। सरकार जिस तरह वोट बनवाती है। वोटर का वेरिफिकेशन कराती है। उसी तरह से केवाईसी कराई जाए। इसके बैंक खाता धारकों को सुविधा होगी। केवाईसी कराने के लिए रखे जाने वाले युवाओं को रोजगार मिलेगा। यही काम राज्य की बिजली कंपनी कर सकती हैं। विभागीय मीटर रीडर माह में एक बार रीडिंग लेने उपभोक्ता के घर जाते हैं। वे ही उपभोक्ता से केवाईसी के पेपर लेले। मीटर रीडर को उपभोक्ता जानते हैं उन्हें पेपर देते किसी उपभोक्ता को परेशानी भी नहीं होगी। मीटर रीडर आफिस आकर इस कार्य में लगे स्टाफ को पेपर देकर केवाईसी कराए। हो यह रहा है कि संबधित विभाग बैंक/ बिजली अपना कार्य उपभोक्ता पर डाल उसके जीवन को कठिन बना रहे हैं, जबकि उन्हे अपने ग्राहकों को सुविधांए देनी चाहिए थीं। ऐसा ही आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए व्यवस्था की जानी चाहिए। हां इसके लिए उपभोक्ता से थोड़ा बहुत चार्ज लिया जा सकता है। अभी एक मैसेज आया कि आपका इन्कमटैक्स का रिटर्न स्वीकार कर लिया गया है। मैंने अभी रिटर्न भरा नहीं, सो ये मैसेज बेटे को भेज दिया कि शायद उसने रिटर्न भरा हो। उसका जबाब आया कि पापा इस मैसेज के लिंक पर क्लिक मत करना। ये गलत लगता है। आज सबसे बड़ी समस्या है कि सही और गलत का कैसे तय हो। किसी न किसी तरह धोखे में लेकर रोज हजारों व्यक्ति रोज ठगे जा रहे हैं। इससे कैसे बचा जाए? ऐसे हालात में जीवन दुरूह होता जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकारों को आम आदमी का जीवन को सरल बनाने के लिए काम करना चाहिए।

जयंती

मदर टेरेसा

जन्म-26 अगस्त, 1910, यूगोस्लाविया; मृत्यु-5 सितंबर, 1997) रोमन कैथोलिक नन थीं, जिन्होंने सन 1948 में स्वेच्छा से भारतीय नागरिकता ले ली थी। उन्होंने 1950 में कोलकाता में 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' की स्थापना की। 45 सालों तक गरीब, बीमार, अनाथ और मरते हुए लोगों की मदद की और साथ ही 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' के प्रसार का भी मार्ग प्रशस्त किया। मदर टेरेसा ने जिस आत्मीयता से भारत के दीन-दुखियों की सेवा की, उसके लिए देश सदैव उनका ऋणी रहेगा। मदर टेरेसा का वास्तविक नाम एग्नेस गोनक्शा बोजाक्शिहउ था, जिन्हें रोमन कैथोलिक चर्च द्वारा 'कलकत्ता की संत टेरेसा' का नाम दिया गया था।

पुण्यतिथि

अवतार किशन हंगल

जन्म: 1 फरवरी, 1917, सियालकोट; मृत्यु: 26 अगस्त 2012 मुम्बई) हिन्दी फिल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता एवं दूरदर्शन कलाकार थे। वर्ष 1967 से हिन्दी फि ल्म उद्योग का हिस्सा रहे हंगल ने लगभग 225 फि ल्मों में काम किया। उन्हें फिल्म 'परिचय' और 'शोले' में अपनी यादगार भूमिकाओं के लिए जाना जाता है।

कल मिलेंगे

पति: 'सुना है आजकल मौसम बहुत बदल रहा है। कोई भी अपना नहीं रहा।'
पत्नी: 'हाँ, आपने तो बिल्कुल सही कहा। अब तो आप भी बदलने लगे हो।'

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

भारत चाहता है यह युद्ध का नहीं, शांति का दौर बने

भारत की शांति नीति केवल रूस-यूक्रेन युद्ध तक सीमित नहीं रही है। चाहे ईरान-इजरायल, इजरायल-हमास युद्ध हो, अफगानिस्तान का संकट हो या मध्य पूर्व की उथल-पुथल-भारत ने हमेशा संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं से कहा कि मानवता के सामने जो चुनौतियां हैं, उनका समाधान युद्ध से नहीं, बल्कि सहयोग-शांति-सौहार्द से मिलेगा

-ललित गर्ग

दुनिया आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध और हिंसा ने सभ्यता की प्रगति को खतरे में डाल दिया है। रूस-यूक्रेन संघर्ष इसके ताजे उदाहरण के रूप में हमारे सामने है। इस युद्ध ने न केवल यूरोप की स्थिरता को हिलाकर रख दिया है, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाल दिया है। हजारों लोग मारे गए, लाखों लोग शरणार्थी बने और ऊर्जा तथा खाद्यान्न संकट ने विकासशील देशों को प्रभावित किया। ऐसे कठिन समय में भारत ने अपनी पारंपरिक नीति-अहिंसा, निशस्त्रीकरण और अयुद्ध का परिचय कराते हुए यह स्पष्ट किया है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। यूक्रेन के राष्ट्रपति बोलोदिमीर जेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण देकर भारत ने संकेत दिया है कि युद्ध विराम एवं शांति समझौता कराने में भारत सक्रिय भूमिका निभा सकता है, निश्चित ही इस कदम का स्वागत होना चाहिए। रूस एवं यूक्रेन को भारत बातचीत की टेबल पर ले आता है, तो यह पूरी दुनिया के हित में होगा, इससे युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होगा।

भारत द्वारा यूक्रेन के राष्ट्रपति को भारत आने का निमंत्रण देना केवल शांति प्रयासों का हिस्सा ही नहीं है, बल्कि यह अमेरिका की चालों को करारा जवाब देने वाला एक कूटनीतिक कदम भी है। हाल के दौर में अमेरिका ने भारत पर ट्रेड टैरिफ लगाकर और विभिन्न आर्थिक दबाव बनाकर उसकी अर्थव्यवस्था को अस्थिर एवं अस्तव्यस्त करने की कोशिश की है। किंतु मोदी सरकार ने अपनी दृढ़ कूटनीति से यह संदेश दिया है कि भारत अब किसी दबाव में आने वाला नहीं है। जेलेन्स्की को आमंत्रित कर भारत ने यह दिखा दिया कि वह रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संवाद रखकर स्वतंत्र नीति अपनाने में सक्षम है और अमेरिका की अपेक्षाओं के आगे झुकने के बजाय अपनी शांति और संतुलन की राह पर आगे बढ़ रहा है। यह कदम भारत की आत्मनिर्भर, साहसी और वैश्विक नेतृत्वकारी भूमिका का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार कहा है-यह युद्ध का दौर नहीं है। यह वाक्य केवल एक कूटनीतिक कथन नहीं, बल्कि भारत की शाश्वत नीति और सांस्कृतिक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने केवल शब्दों तक ही सीमित भूमिका नहीं निभाई, बल्कि ठोस मानवीय प्रयास भी किए। ऑपरेशन गंगा के अंतर्गत हजारों भारतीय छात्रों और नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। भारत ने यूक्रेन को दवाइयां, मानवीय सहायता और राहत सामग्री भेजी। भारत ने रूस और यूक्रेन, दोनों से संवाद बनाए रखा। पिछले साल अगस्त में नरेन्द्र मोदी यूक्रेन जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने थे। इससे पहले उन्होंने रूस की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेन्स्की से निरन्तर बातचीत में भी भारत का रूख स्पष्ट किया कि शांति बहाल होनी चाहिए, यह युद्ध का दौर नहीं, बल्कि शांति एवं विकास का दौर है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप एवं रूसी राष्ट्रपति पूतिन के बीच अलास्का में हुई शिखर वार्ता का भी भारत ने स्वागत किया और कहा था कि बातचीत एवं कूटनीति ही आगे बढ़ने एवं युद्ध विराम का रास्ता है।

रूस और यूक्रेन के बीच यदि कभी बातचीत की प्रक्रिया शुरू होती है, तो उसमें भारत की भूमिका निर्णायक हो सकती है। आज भारत की छवि एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में उभरी है। भारत न केवल जनसंख्या और अर्थव्यवस्था के लिहाज से बड़ा देश है, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि से भी विश्व में एक अलग पहचान रखता है। गांधी की भूमि, बुद्ध की करुणा और महावीर की अहिंसा से प्रेरित यह राष्ट्र यदि शांति का झंडा उठाता है, तो उसकी आवाज को अनसुना नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि पूरी दुनिया आज भारत से अपेक्षा कर रही है कि वह शांति का नेतृत्व करे। भारत की यह भूमिका उसे केवल एक उभरती महाशक्ति ही नहीं बनाती, बल्कि विश्वगुरु के रूप में स्थापित करती है। क्योंकि भारत जानता है-शांति ही मानवता का वास्तविक मार्ग है, और अहिंसा ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति।

भारत की शांति नीति केवल रूस-यूक्रेन युद्ध तक सीमित नहीं रही है। चाहे ईरान-इजरायल, इजरायल-हमास युद्ध हो, अफगानिस्तान का संकट हो या मध्य पूर्व की उथल-पुथल-भारत ने हमेशा संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं से कहा कि मानवता के सामने जो चुनौतियां हैं, उनका समाधान युद्ध से नहीं, बल्कि सहयोग-शांति-सौहार्द से मिलेगा। उन्होंने विकासशील देशों की पीड़ा और युद्ध से उत्पन्न आर्थिक संकट को सामने रखकर यह स्पष्ट किया कि युद्ध का खामियाजा गरीब और छोटे देशों को सबसे ज्यादा भुगतना पड़ता है। आज की दुनिया में हथियारों की होड़ और सामरिक प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। युद्ध केवल मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि तकनीकी, साइबर और आर्थिक क्षेत्रों में भी लड़े जा रहे हैं। ऐसे समय में भारत की अहिंसा और अयुद्ध की नीति मानवता के लिए प्रकाशस्तंभ का काम कर रही है।

भारत का इतिहास शांति और अहिंसा का इतिहास है। भगवान महावीर ने अहिंसा को सर्वोच्च धर्म बताया। उन्होंने कहा-अहिंसा परमो धर्मः। गौतम बुद्ध ने करुणा और मैत्री का संदेश दिया और पूरी एशिया भूमि को शांति क्षेत्र बनाने की दृष्टि दी। महात्मा गांधी ने इसी परंपरा को आधुनिक राजनीति में रूपांतरित किया। उन्होंने दिखाया कि सत्य और अहिंसा के आधार पर साम्राज्यवाद जैसी शक्तिशाली सत्ता को भी परास्त किया जा सकता है। भारत की आत्मा में यह विश्वास गहराई से निहित है कि हिंसा केवल विनाश लाती है और शांति ही स्थायी समाधान है। इसी विरासत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पुनर्जीवित किया है। 2022 में जब रूस-यूक्रेन युद्ध तेज हुआ, तब संयुक्त राष्ट्र, जी-20 और ब्रिक्स जैसे मंचों पर मोदी ने दृढ़ता से कहा-आज का समय युद्ध का नहीं, बल्कि शांति, स्थिरता और सहयोग का है। भारत ने इस सत्य को समय रहते समझा और दुनिया को यह संदेश दिया कि शांति ही भविष्य है, युद्ध नहीं। इसे आधुनिक कूटनीति में उतारकर यह साबित किया है कि भारत केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए सोचता है।

स्वतंत्रता के बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में गुटनिरपेक्ष नीति अपनाई। शीत युद्ध के समय जब दुनिया अमेरिका और सोवियत संघ के दो खेमों में बंटी हुई थी, तब भारत ने यह साहस दिखाया कि वह किसी एक महाशक्ति का पिछलग्गू नहीं बनेगा। पंडित जवाहरलाल नेहरू, युगोस्लाविया के राष्ट्रपति टिटो और मिस्र के राष्ट्रपति नासिर ने मिलकर गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी। इसका उद्देश्य था-दुनिया के देशों को युद्ध की राजनीति से दूर रखना और शांति व सहयोग की नई राह खोलना। भारत की अहिंसा की नीति कहती है कि स्थायी समाधान केवल शांति और संवाद में है। अयुद्ध की नीति कहती है कि किसी भी गुट का पिछलग्गू बने बिना स्वतंत्र दृष्टिकोण अपनाना ही असली ताकत है। भारत ने दिखाया है कि यह नीति केवल आदर्श नहीं, बल्कि व्यावहारिक कूटनीति भी है। जब पूरी दुनिया किसी एक पक्ष में बंट रही हो, तब भारत जैसे देश का संतुलित रुख ही शांति की संभावना को जीवित रख सकता है।

आज, जब रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिमी देश और रूस आमने-सामने खड़े हैं, भारत ने उसी गुटनिरपेक्ष दृष्टिकोण को अपनाया है। भारत न तो रूस के पक्ष में खड़ा हुआ है और न ही अंधाधुंध रूप से पश्चिम का समर्थन कर रहा है। उसने संवाद और कूटनीति को ही एकमात्र रास्ता बताया है। यही भारत की अयुद्ध नीति है-जहां किसी से शत्रुता नहीं, बल्कि सबके साथ संतुलित संबंध रखकर शांति के लिए काम करना है। भारत ने अमेरिकी और यूरोपीय दबाव के बावजूद कभी भी केवल एक पक्ष का समर्थन नहीं किया। यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। अमेरिका और पश्चिमी देश चाहते थे कि भारत खुले रूप से रूस की निंदा करे और उस पर प्रतिबंध लगाए। किंतु भारत ने साफ कहा कि उसका दृष्टिकोण तटस्थ ही नहीं, बल्कि शांति-उन्मुख है। भारत का लक्ष्य किसी के खिलाफ खड़ा होना नहीं, बल्कि सबको शांति की राह पर लाना है। यही कारण है कि रूस और यूक्रेन, दोनों भारत पर भरोसा करते हैं। दोनों मानते हैं कि भारत बिना पूर्वाग्रह के समाधान का मार्ग खोज सकता है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मोदी या ट्रंप... कौन रुकवायेगा रूस-यूक्रेन युद्ध? अमेरिकी 'शोर' पर भारी पड़ेगी भारत की 'शांत' कूटनीति

ट्रंप की भूमिका को देखें तो अमेरिका ऐतिहासिक रूप से यूक्रेन का सबसे बड़ा समर्थक रहा है। आर्थिक मदद, हथियार आपूर्ति और कूटनीतिक समर्थन तीनों ही स्तरों पर अमेरिका यूक्रेन की मदद कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के बाद रूस से नजदीकी साधने की कोशिश की, लेकिन अमेरिका की आंतरिक राजनीति और नाटो की सुरक्षा प्रतिबद्धताओं के कारण वह रूस और यूक्रेन के बीच निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभा पा रहे हैं

-नीरज कुमार दुबे

युद्ध से थकी हुई यूरोप की राजनीति, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय तनाव यह संकेत दे रहे हैं कि अब रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की खोज बहुत जरूरी हो गयी है। इस बीच दो घटनाएँ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। पहली, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात और दूसरी, भारत-यूक्रेन तथा भारत-रूस के बीच ऊँचे स्तर का बढ़ता कूटनीतिक संवाद, जिसमें राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति जेलेंस्की की संभावित भारत यात्रा सबसे अहम है।

यह भी महज संयोग नहीं है कि पुतिन ने ट्रंप से मुलाकात के पहले और बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। इसके तुरंत बाद जेलेंस्की ने भी मोदी से वार्ता की। इस साल के अंत में पुतिन भारत आने वाले हैं और उससे पहले जेलेंस्की भी भारत आ सकते हैं। यही नहीं, मोदी-पुतिन मुलाकात जल्द ही चीन में होने वाले एससीओ सम्मेलन में होगी तो दूसरी ओर सितंबर में न्यूयॉर्क में मोदी-जेलेंस्की मुलाकात होने की भी पूरी-पूरी संभावना है। साफ है कि कूटनीति के मौन गलियारों में भारत एक ऐसा ध्रुव बन चुका है, जिसके इर्द-गिर्द युद्धविराम की संभावनाएँ गढ़ी जा रही हैं।

एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी शैली के अनुरूप मीडिया के सामने रोज यह दावा करते हैं कि वह युद्ध समाप्त करवा सकते हैं। लेकिन उनका यह दृष्टिकोण ज्यादातर चुनावी और जनमत-निर्माण की राजनीति से जुड़ा है। इसके विपरीत, नरेंद्र मोदी का रुख ज्यादा व्यावहारिक और संतुलित है। वह रूस और यूक्रेन, दोनों से गहन संवाद बनाए हुए हैं और यह युद्ध का युग नहीं है की अपनी उद्घोषणा को अब ठोस प्रयासों से सार्थक बना रहे हैं।

भारत की यह भूमिका ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है। हम आपको याद दिला दें कि शीतयुद्ध के दौर में भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन के जरिये वैश्विक तनाव को संतुलित करने का प्रयास किया था। आज, वही भूमिका भारत एक जिम्मेदार शक्ति की तरह निभा रहा है। पश्चिम को यह स्पष्ट हो रहा है कि ट्रंप की घोषणाओं से अधिक असरदार है मोदी की शांत डिप्लोमेसी, जो न तो शोर मचाती है और न ही श्रेय लेने की होड़ में रहती है।

देखा जाये तो अंतरराष्ट्रीय राजनीति में असली कूटनीति अक्सर सुर्ख़ियों के पीछे घटित होती है। रूस और यूक्रेन दोनों के साथ समान स्तर पर संवाद बनाए रखने की भारत की क्षमता इस बात का प्रमाण है कि नई दिल्ली न केवल इस युद्ध के समाधान की कुंजी रखती है, बल्कि एक नई विश्व व्यवस्था के निर्माण में भी केंद्रीय भूमिका निभा सकती है। इसके अलावा, जहाँ ट्रंप युद्ध समाप्त करवाने के लिए कभी वार्ता तो कभी धमकी देने तथा कभी पेनल्टी के रूप में टैरिफ बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं वहीं मोदी चुपचाप रूस-यूक्रेन युद्ध के समापन की वास्तविक जमीन तैयार कर रहे हैं। देखा जाये तो रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करवाने की दिशा में चल रहे प्रयासों को देख रही दुनिया के मन में इस समय यही सवाल है कि कौन-सा नेता निर्णायक भूमिका निभा सकता है—डोनाल्ड ट्रंप या नरेंद्र मोदी?

ट्रंप की भूमिका को देखें तो अमेरिका ऐतिहासिक रूप से यूक्रेन का सबसे बड़ा समर्थक रहा है। आर्थिक मदद, हथियार आपूर्ति और कूटनीतिक समर्थन तीनों ही स्तरों पर अमेरिका यूक्रेन की मदद कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के बाद रूस से नजदीकी साधने की कोशिश की, लेकिन अमेरिका की आंतरिक राजनीति और नाटो की सुरक्षा प्रतिबद्धताओं के कारण वह रूस और यूक्रेन के बीच निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभा पा रहे हैं। आज भी ट्रंप के प्रयास सीमित हैं क्योंकि अमेरिका का घोषित रुख रूस के प्रति शत्रुतापूर्ण है। इसके अलावा, नाटो की रणनीतिक अनिवार्यता ट्रंप को संतुलित मध्यस्थ नहीं रहने देती। इसके अलावा, पुतिन पर अमेरिकी प्रतिबंध और सैन्य दबाव किसी भी विश्वसनीय संवाद की संभावना को कमजोर करते हैं। दूसरी ओर, भारत का रुख शुरूआत से ही अलग रहा है। मोदी ने न युद्ध का समर्थन किया, न किसी पक्ष का खुला विरोध किया। भारत ने बार-बार संवाद और कूटनीति की वकालत की है। इससे मोदी की स्थिति विशिष्ट बनती है। भारत-रूस की 'Special and Privileged Strategic Partnership' दशकों पुरानी है। रक्षा, ऊर्जा और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग के कारण पुतिन मोदी की बातों को गंभीरता से लेते हैं। साथ ही मोदी ने जेलेंस्की से भी निरंतर संपर्क बनाए रखा है। जेलेंस्की की संभावित भारत यात्रा इस बात का प्रमाण है कि यूक्रेन भी भारत को भरोसेमंद मध्यस्थ मानता है।

हम आपको यह भी बता दें कि भारत का जी-20 अध्यक्षता काल दिखा चुका है कि भारत पश्चिम और पूर्व, दोनों खेमों के बीच पुल का काम कर सकता है। भारत न तो नाटो का हिस्सा है, न रूस का विरोधी गुट। यही तटस्थता उसे सच्चा मध्यस्थ बनाती है। जहां तक यह सवाल है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने की दिशा में मोदी कैसे ट्रंप से अधिक अहम साबित हो सकते हैं? तो इसका जवाब यह है कि पुतिन ट्रंप को एक प्रतिद्वंद्वी राष्ट्र के नेता के रूप में देखते हैं, जबकि मोदी को रणनीतिक साझेदार और मित्र के रूप में देखते हैं। साथ ही ट्रंप केवल यूक्रेन या नाटो के दबाव में नहीं हैं, बल्कि अमेरिकी राजनीति से बंधे हैं। वहीं मोदी दोनों पक्षों से बिना पूर्वाग्रह बातचीत कर सकते हैं। इसके अलावा, भारत की ऊर्जा जरूरतें, आर्थिक क्षमता और भू-राजनीतिक स्थिति उसे युद्धविराम के बाद की शांति संरचना में भी महत्वपूर्ण बनाती है। साथ ही मोदी की लीडर-टू-लीडर डिप्लोमेसी-चाहे ट्रंप हों, पुतिन हों या जेलेंस्की, व्यक्तिगत विश्वास कायम करती है, जो युद्ध सुलझाने में निर्णायक होता है।

बहरहाल, जहाँ ट्रंप की भूमिका अमेरिका की सामरिक अनिवार्यताओं और नाटो की सीमाओं में बंधी है, वहीं मोदी एक तटस्थ लेकिन प्रभावशाली नेता के रूप में उभरे हैं। यदि जेलेंस्की की भारत यात्रा होती है और वर्ष के अंत में पुतिन भी नई दिल्ली आते हैं, तो भारत दुनिया का इकलौता ऐसा मंच बन सकता है जहाँ दोनों नेताओं का संवाद संभव हो। इसलिए रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने की दिशा में डोनाल्ड ट्रंप से कहीं अधिक नरेंद्र मोदी की भूमिका निर्णायक और ऐतिहासिक साबित हो सकती है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

अगर हिज्बुल्लाह को निरस्त्र किया जाए तो इजराइल लेबनान से हट सकता है: नेतन्याहू

(एजेन्सी)। **इजराइल** के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि वह लेबनानी कैबिनेट के इस महीने की शुरूआत में लिए गए उस फैसले का स्वागत करते हैं, जिसमें 2025 के अंत तक हिज्बुल्लाह के निरस्त्रीकरण की दिशा में काम करने का निर्णय लिया गया है। नेतन्याहू ने कहा कि अगर लेबनान ऐसा कदम उठाता है, तो इजराइल के सैनिक देश से वापस लौट सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि लेबनान हिज्बुल्लाह को निरस्त्र करने के लिए आवश्यक कदम उठाता है, तो इजराइल भी जवाबी कार्रवाई में दक्षिणी लेबनान में इजराइली सैन्य मौजूदगी में चरणबद्ध तरीके से कमी लाएगा। इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच संघर्ष नवंबर में अमेरिका की मध्यस्थता में हुए संघर्ष विराम के साथ समाप्त हो गया था। हिज्बुल्लाह ने कहा है कि समूह तब तक अपने निरस्त्रीकरण पर चर्चा नहीं करेगा, जब तक कि इजराइल लेबनान के अंदर अपने नियंत्रण वाली पांच पहाड़ियों से पीछे नहीं हट जाता और लगभग रोजाना होने वाले हवाई हमले बंद नहीं कर देता, जिनमें सैकड़ों लोग मारे गए हैं या घायल हुए हैं। इनमें अधिकांश हिज्बुल्लाह के सदस्य हैं।

सिंधु जल संधि पर रोक के बाद भी भारत ने निभाया इंसानी फर्ज

(एजेन्सी)। **संभावित** आपातकालीन स्थिति को ध्यान में रखते हुए, भारत ने पाकिस्तान को जम्मू-कश्मीर में बाढ़ की स्थिति का विवरण उपलब्ध कराया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह सूचना पूरी तरह से मानवीय आधार पर दी गई है। भारत ने तवी नदी में संभावित बाढ़ के बारे में पाकिस्तान को सचेत कियाइस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग ने रविवार को पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय को इस मामले में सूचित किया। यह पहली बार है जब उच्चायोग के माध्यम से इस तरह के मामले की जानकारी भेजी गई है। आमतौर पर, ऐसी जानकारियाँ सिंधु जल आयुक्त के माध्यम से साझा की जाती हैं। हालाँकि, सिंधु जल संधि के तहत दोनों देशों के बीच कोई जानकारी साझा नहीं की गई क्योंकि यह अभी भी स्थगित है।

रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान ने भारत द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर चेतावनी जारी की है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, के बाद सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया गया था।

इस स्थगित होने के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। 7 मई को भारत ने इस आतंकी हमले के जवाब में पाक अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान में स्थित आतंकी प्रशिक्षण शिविरों पर सटीक हमले किए। पिछले हफ़्ते, नई दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) संसदीय दल की बैठक में बोलते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि के लिए पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की आलोचना की और इसे संसदीय मंजूरी के बिना हस्ताक्षरित एक असंतुलित समझौता बताया।

नई दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) संसदीय दल की बैठक में बोलते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने नेहरू पर भारत के हितों से समझौता करने और भारत के पानी के उचित हिस्से को देकर पाकिस्तान को फायदा पहुँचाने का आरोप लगाया।

शेयर बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 329 अंक चढ़ा

(एजेन्सी)। **अनुकूल** वैश्विक संकेतों और आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों में मजबूत खरीदारी के चलते घरेलू शेयर बाजारों ने सप्ताह की शुरूआत सकारात्मक रुख के साथ की। सेंसेक्स 329.05 अंक या 0.40 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,635.91 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 97.65 अंक या 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,967.75 अंक पर बंद हुआ। विश्लेषकों का कहना है कि उच्च स्तरों पर मुनाफाखोरी के कारण सूचकांकों में तेजी सीमित रही।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, सन फार्मा, मारुति और टाइटन प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक शामिल हैं। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था।

अमेरिकी बाजार में शुक्रवार को तेजी रही। डॉऊ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1.89 प्रतिशत की तेजी रही, नैस्डैक कम्पोजिट में 1.88 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई और एसएंडपी 500 में 1.52 प्रतिशत की बढ़त रही। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा ने कहा कि बाजारों ने सप्ताह की शुरूआत सकारात्मक रुख के साथ की, अनुकूल वैश्विक संकेतों के चलते लगभग आधा प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। शुरूआती तेजी के बाद, शुरूआती कारोबार में निफ्टी में गिरावट आई, लेकिन आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों में मजबूत खरीदारी और अन्य क्षेत्रों के दिग्गज शेयरों में मजबूती के चलते सूचकांक में तेजी आई... इसके विपरीत, व्यापक बाजार सुस्त रहे और लगभग स्थिर बंद हुए, जो एक सतर्क रुख दर्शाता है।" वैश्विक ब्याज दरों की चिंता कम होने से निवेशकों का उत्साह बढ़ा।

मिश्रा ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा अगले महीने संभावित ब्याज दरों में कटौती के संकेत से उभरते बाजारों में जोखिम उठाने की क्षमता बढ़ी है। उन्होंने आगे कहा कि स्थिर संस्थागत निवेश और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने अतिरिक्त समर्थन प्रदान किया। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि उपभोग मांग को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित जीएसटी युक्तिकरण से घरेलू रुझान सकारात्मक बने हुए हैं, और अच्छा मानसून वैश्विक व्यापार वातावरण में किसी भी अनिश्चितता से निपटने में उत्प्रेरक का काम कर सकता है।

भारतीय शेयर बाजार काफी हद तक अस्थिर रहे क्योंकि निवेशक अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चित बने रहे, जिसने भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है।

राघव चड्ढा के घर गूंजेगी नन्हे मेहमान की किलकारी

(एजेन्सी)। **परिणीति** चोपड़ा और राघव चड्ढा ने सितंबर 2023 में उदयपुर में एक भव्य शादी के बंधन में बंध गए। तब से, परिणीति मुंबई, दिल्ली और लंदन के बीच व्यस्त हैं। शादी के बाद से ही अभिनेत्री गर्भावस्था की अफवाहों के घेरे में रही हैं क्योंकि उनका वजन बढ़ गया था, लेकिन तब परिणीति ने इन अफवाहों का खंडन किया था। लेकिन क्या पता? अब यह सच है! परिणीति और राघव ने सोशल मीडिया पर घोषणा की है कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं।

सोमवार को, इस जोड़े ने इंस्टाग्राम पर एक संयुक्त पोस्ट के साथ यह खुशखबरी साझा की। उन्होंने एक खूबसूरत सजे हुए केक की तस्वीर शेयर की, जिसे एक गोल चाँदी की थाली में रखा गया था और उसके ऊपर एक मुलायम बेज रंग का कपड़ा बिछा था, जिसके पास ही नाजुक सफेद फूल रखे थे। बीच में, केक के दो छोटे पैरों के सुनहरे निशान हैं और साथ में "1 + 1 = 3" लिखा है, जो उनके बढ़ते परिवार का संकेत देता है। इस पोस्ट में परिणीति और राघव का एक वीडियो भी शामिल है, जिसमें वे कैमरे की तरफ पीठ करके एक पार्क में टहल रहे हैं और हाथ पकड़े हुए साथ-साथ चल रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "हमारा छोटा सा ब्रह्मांड... अपने रास्ते पर है (बुरी नजर और लाल दिल वाले इमोजी)... असीम आशीर्वाद।" पोस्ट शेयर होते ही कमेंट सेक्शन बधाई संदेशों से भर गया। सोनम कपूर ने लिखा, "बधाई हो डार्लिंग", और अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने लिखा, "बधाई हो"।

यह खुशखबरी राघव द्वारा इस महीने की शुरूआत में द ग्रेट इंडियन कपिल शो के एक एपिसोड में परिणीति के साथ आने के दौरान अपने परिवार को बढ़ाने की योजना के संकेत देने के तुरंत बाद आई है।

मीराबाई चानू ने गोल्ड मेडल जीतकर किया कमबैक

(एजेन्सी)। इंजरी के बाद वेटलिफ्टर स्टार मीराबाई चानू ने बेहतरीन कमबैक किया है। दरअसल, एक साल के लंबे इंतजार के बाद वापसी करते हुए मीराबाई चानू ने सोमवार को अहमदाबाद में राष्ट्रमंड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में नए रिकॉर्ड बनाकर गोल्ड मेडल जीता है। टोक्यो ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई ने महिलाओं के 48 किग्रा वजन वर्ग में कुल 193 किग्रा वजन उठाकर कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में कुल, स्नैच और क्लीन एंड जर्क के रिकॉर्ड तोड़कर पहला स्थान हासिल किया। बता दें कि , 31 वर्षीय खिलाड़ी इससे पहले 49 किग्रा में भाग लेती थी लेकिन यह वजन वर्ग अब ओलंपिक में शामिल नहीं है। मीराबाई ने पिछले साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार किसी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। पेरिस ओलंपिक में वह चौथे स्थान पर रही थीं। वहीं चोटिल होने के कारण वह पिछले एक साल में किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाई थीं जिस कारण उन्हें लय हासिल करने में भी समय लगा। स्नैच में 84 किग्रा के अपने पहले प्रयास में वह लड़खड़ा गईं। उनके दाहिने घुटने में तकलीफ दिखाई दी, लेकिन दूसरे प्रयास में उन्होंने उतना ही वजन उठाया। 89 किग्रा का उनका तीसरा प्रयास भी असफल रहा। कोई वास्तविक प्रतिस्पर्धा न होने के कारण मीराबाई असल में खुद से ही मुकाबला कर रही थीं। मीराबाई ने क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा भार उठाकर शुरूआत की। उन्होंने इसे बढ़ाकर 109 किग्रा कर लिया, लेकिन 113 किग्रा का अपना अंतिम प्रयास पूरा नहीं कर सकीं। मलेशिया की इरीन हेनरी ने 161 किग्रा (73 किग्रा + 88 किग्रा) वजन उठाकर रजत पदक, जबकि वेल्स की निकोल रॉबर्ट्स ने 150 किग्रा (70 किग्रा + 80 किग्रा) वजन उठाकर कांस्य पदक जीता।

डीएम ने सभी कोषांगों के वरीय नोडल अधिकारियों के साथ की बैठक

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह जमुई। जमुई के जिला पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी श्री नवीन की अध्यक्षता में समाहरणालय सभा कक्ष में बिहार विधानसभा आम चुनाव 2025 की तैयारियों के मद्देनजर सभी कोषांग के नोडल पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई। बैठक के दौरान उन्होंने कोषांगवार बिहार विधानसभा आम चुनाव 2025 को लेकर की जा रही तैयारियों से अवगत हुए। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से इलेक्शन मोड में रहने की बात कही और टीम वर्क पर जोर देने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि बिना टीम वर्क के चुनाव का सफल संचालन संभव नहीं है। ऐसे में आवश्यकता है कि सभी लोग एक साथ एकजुट होकर अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करें। जिस व्यक्ति का जो दायित्व है,उसका निष्पादन नोडल पदाधिकारी अपने देख-रेख में ससमय पूरा कराना सुनिश्चित करेंगे।

समीक्षा के क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी महोदय ने प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी से विभिन्न स्तर के प्रशिक्षणों की तिथि से अवगत हुए। वहीं निर्वाचन कोषांग द्वारा अबतक किये गये कार्यों की भी जानकारी ली गई। इसके अतिरिक्त उन्होंने संबंधितों को मतदान कर्मियों का डाटा बेस तैयार करने,लंबित इंट्री को अविलंब पूरा करने,पोस्टल बैलेट,सुविधा केंद्र स्थापित करने, दिव्यांग मतदाताओं को सुविधा उपलब्ध कराने,वाहन कोषांग को वाहनों की संख्या का मूल्यांकन करने, सामग्री कोषांग, ईवीएम कोषांग, प्रेक्षक कोषांग, मीडिया कोषांग,स्वीप कोषांग आदि को लेकर संबंधित कोषांगों के वरीय पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

वहीं उन्होंने निर्वाचन, कार्मिक, वाहन, सामग्री, आदर्श आचार संहिता, प्रशिक्षण,प्रेक्षक सहित अन्य कोषांगों का समीक्षा भी कर कर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने आगामी बिहार विधानसभा आम चुनाव 2025 के सफल संचालन हेतु निर्वाचन आयोग का हैंड बुक में दिए गये निदेशों का पालन करने के निर्देश दिये। स्वीप कोषांग के तहत दिव्यांग, वृद्ध, कम मतदान प्रतिशत वाले बूथों पर विशेषकर स्वीप कैलेंडर के तहत व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। साथ ही उन्होंने उप निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि वैसे मतदान केंद्र जहां विधानसभा और लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत कम देखा गया है उसका मूल्यांकन कर वैसे मतदान केंद्र क्षेत्र में मत के प्रति मतदान प्रतिशत बढ़ाने का निदेश दिया।

मौके पर अपर समाहर्ता श्री रविकांत सिंहा, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी श्री राम दुलार राम, उप विकास आयुक्त श्री सुभाष चंद्र मंडल, उप निर्वाचन पदाधिकारी मोहम्मद नजरुल हक, जिला पंचायती राज पदाधिकारी सह गोपनीय प्रभारी श्री वीरेंद्र कुमार, स्थापना पदाधिकारी नागमणि कुमार वर्मा, अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, सभी कोषांग के वरीय नोडल पदाधिकारी, सभी कोषांग के नोडल पदाधिकारी समेत अन्य सम्बंधित उपस्थित रहे।

रिजर्व पुलिस लाइन में चल रहीं प्रतियोगिता का समापन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इन्तजार हुसैन बदायूँ। रिजर्व पुलिस लाइन जनपद बदायूँ के परेड ग्राउण्ड में द्वितीय अन्तर जनपदीय कबड्डी कलस्टर (महिला/पुरुष), कबड्डी, जिमनास्टिक, फेसिंग, खोखो प्रतियोगिता वर्ष-2025 के तीसरे व अन्तिम दिन मुख्य अतिथि डॉ0 बृजेश कुमार सिंह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ द्वारा प्रतियोगिता का समापन किया गया। प्रतियोगिता में बरेली जोन के कुल 09 जनपदों (बरेली, बदायूँ, शाहजहाँपुर, पीलीभीत, सम्भल, मुरादाबाद, रामपुर, अमरोहा, बिजनौर) की टीमों के लगभग 180 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ द्वारा सभी जनपदों की टीमों के सदस्यों को सम्मानित कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गयी तथा विभिन्न प्रतिस्पधाओं में विजेता एवं उप-विजेता टीमों को शील्ड/पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के समापन पर डॉ0 ह्रदेश कठेरिया अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, श्री विजयेन्द्र द्विवेदी अपर पुलिस अधीक्षक नगर, रजनीश कुमार उपाध्याय क्षेत्राधिकारी नगर, डॉ0 देवेन्द्र कुमार क्षेत्राधिकारी

लाइन/उझानी, संजीव कुमार क्षेत्राधिकारी बिल्सी, के0के0 तिवारी क्षेत्राधिकारी दातागंज, इन्द्रजीत सिंह प्रतिसार निरीक्षक एवं पुलिस के अन्य अधिकारी/कर्मचारी गण उपस्थित रहें। प्रतियोगिता का संचालन इन्द्रजीत सिंह प्रतिसार निरीक्षक रिजर्व पुलिस लाइन्स बदायूँ के द्वारा किया गया।

प्रतियोगिता के परिणाम निम्न प्रकार रहे

कबड्डी पुरूष वर्ग: दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला जनपद पीलीभीत व जनपद मुरादाबाद के मध्य खेला गया जिसमें जनपद पीलीभीत 34-20 से विजयी रहा। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में जनपद बदायूँ 35 अंको के साथ प्रथम स्थान व जनपद पीलीभीत 25 अंको के साथ द्वितीय स्थान पर रहा।

कबड्डी महिला वर्ग: फाइनल मुकाबले में जनपद शाहजहाँपुर ने 34-17 से जनपद बदायूँ को मात दे कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

खो-खो पुरूष वर्ग: फाइनल मुकाबले में जनपद बदायूँ ने जनपद पीलीभीत को 26-24 से मात देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

जिमनास्टिक: फाइनल मुकाबले में जनपद बदायूँ 24 अंको के साथ प्रथम स्थान व जनपद बिजनौर 19 अंको के साथ द्वितीय स्थान पर रहा।

प्रतियोगिता में निर्णायक गणों के रूप में अमित रिछारिया जिला क्रीड़ा अधिकारी, रामदास यादव एन0आई0एस0, ब्रजेश कुमार एन0आई0एस, मधुकर महेन्द्र मुर्मू एन0आई0एस, वरूण प्रताप सिंह एन0आई0एस एवं रामअवतार बेसिक शिक्षा पी0टी0आई0 का विशेष योगदान रहा, जो निर्विवाद रूप से निर्णय कर प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोगी रहे।

पुलिस ने लूटकांड की घटना का किया उदभेदन

लूटकांड में प्रयोग किए गए ऑल्टो कार को भी पुलिस ने किया बरामद

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह जमुई/गिद्धौर। गिद्धौर थाना कांड संख्या 171/25 से जुड़े लूटकांड के एक मामले का गिद्धौर पुलिस ने सफलता पूर्वक उदभेदन कर लिया है। गिद्धौर रेलवे स्टेशन से खैरा थाना क्षेत्र अंतर्गत पड़नेवाले जीत झिंगोई निवासी रेल यात्री सुनील चौधरी के साथ अपराधियों द्वारा पिस्तौल का भय दिखाकर लुट की वारदात को अंजाम दिया गया था, जिसे लेकर जीत झिंगोई निवासी मामले के पीड़ित शिकायत कर्ता सुनील चौधरी द्वारा पुलिसिया कारवाई को ले गिद्धौर पुलिस में आवेदन दिया गया था, इसी आलोक में पुलिस अधीक्षक विश्वजीत दयाल के निर्देश एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सतीश सुमन के नेतृत्व में गिद्धौर पुलिस द्वारा मामले में टीम गठित कर वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुसंधान के माध्यम से अपराधियों के गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी कर रही थी, जिसमें गिद्धौर पुलिस को यह सफलता हांथ लगी है।

लूटकांड की प्रेस वार्ता कर जानकारी देते डीएसपी सतीश सुमन, थानाध्यक्ष दीनानाथ सिंह व अन्य। (छाया: एसबी)

घटना का उदभेदन करने के क्रम में पुलिस द्वारा मामले के आरोपी अभियुक्त लल्लू पासवान 26 वर्ष पिता उमेश पासवान निवासी बेलसर थाना नूरसराय जिला नालंदा एवं अनिल कुमार पिता सुरेश महतो निवासी रांगा माटी इसरी बाजार थाना निमियाघाट जिला गिरीडीह झारखंड को मामले में गिरफ्तार करने में सफलता पायी है। इस लूटकांड की घटना को ले अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सतीश सुमन ने बताया कि इस लूटकांड में संलिप्त दोनों अभियुक्तों को गिद्धौर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया है, लुटकंड में उपयोग में लाए गए ऑल्टो वाहन को भी पुलिस ने बरामद किया है। मामले में फरार चल रहे एक अन्य अभियुक्त के गिरफ्तारी को लेकर भी पुलिस कार्य कर रही है, जल्द ही वो धर दबोचे जाएंगे।

इस अभियान में थानाध्यक्ष दीनानाथ सिंह, अवर निरीक्षक रितेश कुमार, प्रभात राय,सर्जना कुमारी के अलावे शसस्त्र पुलिस बल के जवान मौजूद थे।

सेन्ट्रल बार में अधिवक्ताओं के लिए लगा चिकित्सा शिविर

सेन्ट्रल बार और मेदांता मेडिसिटी के संयुक्त तत्वावधान में लगा शिविर

स्वास्थ्य शिविर में जिला जज जय प्रकाश तिवारी को मोमेंट देकर सम्मानित करते हुए सेन्ट्रल बार के महामंत्री राजेश गुप्ता और उपाध्यक्ष दीपक राय कान्हा। (छाया: एसबी)

एसबी संवाददाता

वाराणसी। सोमवार को सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के गांधी सभागार में अधिवक्ताओं के स्वास्थ्य की जांच के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। सेन्ट्रल बार और मेदांता अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस चिकित्सा शिविर में सैकड़ों अधिवक्ताओं के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें दवाएं और उचित चिकित्सा परामर्श चिकित्सकों द्वारा दिये गये। इसके पूर्व चिकित्सा शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि जनपद न्यायाधीश जय प्रकाश तिवारी, सीजेएम मनीष कुमार, सेन्ट्रल बार के अध्यक्ष मंगलेश दूबे और महामंत्री राजेश गुप्ता ने दीप प्रज्जवल कर किया।

इस अवसर पर अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए जनपद न्यायाधीश जय प्रकाश तिवारी ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य के लिए समय निकालना बहुत मुश्किल काम हो गया है। इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर

स्वास्थ्य शिविर में जांच करवाते हुए जिला जज जय प्रकाश तिवारी, सीजेएम मनीष कुमार और महामंत्री राजेश गुप्ता। (छाया: एसबी)

नियमित आयोजित होते रहना चाहिए, जिससे कि अधिवक्ता अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो सकें इस दौरान कई अधिवक्ताओं के शुगर, बीपी, ईसीजी आदि की भी जांच की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्ष सेन्ट्रल बार के अध्यक्ष मंगलेश दूबे और संचालन महामंत्री राजेश गुप्ता किया।

इस अवसर पर सेन्ट्रल बार के उपाध्यक्ष दीपक राय कान्हा, गौतम कुमार झा, सुधांशु मिश्रा, प्रेम प्रकाश सिंह गौतम धीरेन्द्र श्रीवास्तव, आशीष सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, नीरज गुप्ता, राघवेन्द्र दूबे सहित सैकड़ों अधिवक्ता उपस्थित थे।

स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में पंजाब सरकार ने ऐतिहासिक पहल की-मुख्यमंत्री

एसबी संवाददाता

चेन्नई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज यहाँ कहा कि पंजाब सरकार ने राज्य और इसके लोगों की भलाई के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा, बिजली और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में ऐतिहासिक पहलें की हैं। यहाँ पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने लोक-हित से जुड़े इन क्षेत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि इन प्राथमिक क्षेत्रों को भारत की राजनीति के केंद्र में लाने का श्रेय आम आदमी पार्टी (आप) को जाता है, जिन्हें पहले नजरअंदाज किया जाता था। भगवंत सिंह मान ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा लोगों की भलाई के लिए शुरू की गई विभिन्न पहलों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उनके लिए बहुत सम्मान और संतोष की बात है कि उन्हें तमिलनाडु सरकार द्वारा मुख्यमंत्री नाश्ता योजना के विस्तार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब सरकार देशभर में लागू की जा रही महत्वपूर्ण लोक-कल्याणकारी पहलों से सीखने और उन्हें अपनाने के लिए हमेशा तैयार रहती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि तमिलनाडु और पंजाब के बीच एक मजबूत रिश्ता है और दोनों राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और इतिहास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विविधता में एकता ही भारत की नींव है, जहाँ सांप्रदायिक सौहार्द, भाईचारे और आपसी मेल-जोल की भावनाएँ गहराई से समाई हुई हैं।

1984 में हुए सिख विरोधी दंगों में जान गवाने वाले व्यक्ति के परिवार के एक सदस्य को मिलेगी सरकारी नौकरी

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों के दौरान प्रदेश के ऐसे सभी 121 परिवारों जिनके किसी एक सदस्य की जान चली गई थी उनके परिवार के एक सदस्य को प्राथमिकता के आधार पर नौकरी प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज हरियाणा विधानसभा में चल रहे मानसून सत्र के दौरान यह घोषणा की। उन्होंने सदन को अवगत कराया की 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों में प्रदेश में लगभग 20 गुरुद्वारों, 221 मकानों, 154 दुकानों, 57 फैक्ट्रियों, 3 रेलडिब्बों और 85 वाहनों को जला दिया गया था। इन दंगों में 58 व्यक्ति घायल हुए और 121 लोगों की मृत्यु हुई थी। उन्होंने पीड़ित परिवारों को आपसी सहमति से परिवार के एक सदस्य का नाम अपने जिले के उपायुक्त के माध्यम से मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार को भिजवाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा हिदायतें शीघ्र ही जारी कर दी जाएंगी।

स्कूल सेफ्टी प्रोग्राम के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

एनडीआरएफ की टीम ने बच्चों व स्कूल स्टाफ को सिखाए आपदा से निपटने के तरीके

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी करनाल। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं डीसी उत्तम सिंह के मार्गदर्शन में एनडीआरएफ बठिंडा की 7 वीं बटालियन द्वारा स्कूल सेफ्टी प्रोग्राम के तहत असिस्टेंट कमांडेंट सरोज रानी के नेतृत्व में सोमवार को इंस्पेक्टर त्रिलोक सिंह व एसआई संचित की टीम द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय घरौंडा व डबकरी कला में आपदा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान बच्चों व स्कूल स्टाफ को आपात स्थिति में सीपीआर देने तथा आग लगने के दौरान अपनाए जाने वाले तरीकों के बारे में जानकारी दी गई।

असिस्टेंट कमांडेंट सरोज रानी ने बताया कि एनडीआरएफ बठिंडा की 7 वीं बटालियन द्वारा जिला के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में 30 अगस्त 2025

तक स्कूल सेफ्टी प्रोग्राम के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों और स्टाफ सदस्यों को किसी भी आपदा की स्थिति से निपटने के लिए तैयार करना है। उन्होंने बताया कि इस पहल के तहत, एनडीआरएफ की विशेषज्ञ टीम स्कूलों और कॉलेजों में जाकर छात्रों को बाढ़, भूकंप, चक्रवात, भूस्खलन, आग लगने या अन्य प्राकृतिक आपदाओं जैसी स्थितियों के समय सुरक्षित रहने, बचाव के तरीकों और प्राथमिक चिकित्सा के बारे में जानकारी देगी। ये कार्यक्रम न केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करेंगे, बल्कि व्यावहारिक अभ्यास भी करवाएंगे ताकि छात्र और शिक्षक वास्तविक परिस्थितियों में सही निर्णय ले सकें।

बछवाड़ा थाने की हाजत से भाग निकला कैदी दिना झा

एसबी ब्यूरो

बछवाड़ा(बेगूसराय)। जिले के बछवाड़ा थाना के हाजत से रविवार की रात एक आरोपी फरार होने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। फरार आरोपी की पहचान दिना झा, पुत्र गीता झा, रुदौली गांव वार्ड संख्या 9 के रूप में हुई है। आरोपी को मारपीट और अवैध हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। घटना की जानकारी मिलते ही तेघड़ा डीएसपी कृष्ण कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर आरोपी की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का दावा है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस

मामले ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।फरार आरोपी की पत्नी विभा देवी ने आरोप लगाया कि उनके पति को गिरफ्तार करने के दौरान पुलिस ने घर में छापेमारी, गाली-गलौज और बदतमीजी की। उन्होंने बताया कि उनका पति हाल ही में बेल पर जेल से आया था। और आरोपियों के साथ फंसाया गया।

एसपी मनीष ने बताया कि आरोपी वारंटी था और बेल टूटी हुई थी। उसे वॉशरूम ले जाते समय मौके का फायदा उठाकर वह फरार हो गया। हाजत की निगरानी में तैनात पुलिसकर्मियों की जवाबदेही तय करने के लिए विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह आरोपी का फरार होना थाना की सुरक्षा और प्रशासनिक जिम्मेदारी पर सवाल खड़ा करता है। पुलिस लगातार छापेमारी कर आरोपी की गिरफ्तारी में जुटी है।

बरसात में मंत्री और विधायक पहुँचे राहत सामग्री लेकर

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़/फाज़िल्का। पंजाब की कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर और फाज़िल्का के विधायक नरिंदर पाल सिंह सवना आज बरसात के बीच राहत सामग्री लेकर गाँव तेजा रुहेला और चक्क रुहेला पहुँचे। इस मौके पर उन्होंने दुधारू पशुओं के लिए कैटल फीड भी वितरित की।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश के चलते हरीके हेडवर्क्स से आज 1.7 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसका असर कल तक सतलुज क्रीक से गुजरते हुए फाज़िल्का ज़िले में भी देखने को मिलेगा, जिससे पानी का स्तर और बढ़ सकता है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि महिलाएँ, बच्चे और बुज़ुर्ग सुरक्षित स्थानों पर चले जाएँ। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के निदेशों के अनुसार सरकार ने राहत कैंप स्थापित किए हैं और स्वास्थ्य, पशुपालन, जल आपूर्ति व स्वच्छता तथा राजस्व विभाग की टीमें गाँवों में सक्रिय हैं। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं और बच्चों को विशेष रूप से प्राथमिकता पर फीड उपलब्ध करवाई जा रही है।

हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी में दाखिले शुरू, प्रथम लिस्ट में नाम देखकर खुश हुए विद्यार्थी

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। महाराणा प्रताप हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी (एमएचयू) करनाल में बीएससी (ऑनर्स) हॉर्टिकल्चर कोर्स में दाखिला प्रक्रिया शुरू हो गई है। सोमवार को यूनिवर्सिटी की प्रथम प्रवेश सूची नोटिस बोर्ड पर जारी की गई। सूची में नाम देखने के बाद विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। जिन विद्यार्थियों का चयन हुआ, उनके दस्तावेज जांचकर दाखिला दिया गया।

दाखिला प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए एमएचयू के कुलपति प्रो. सुरेश मल्होत्रा ने पहले ही स्टाफ को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि विभिन्न जिलों से आने वाले विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

प्रो. मल्होत्रा ने बताया कि बीएससी (ऑनर्स) हॉर्टिकल्चर 4 वर्षीय कोर्स के लिए प्रथम फिजिकल वेरिफिकेशन के बाद पहली सूची जारी की गई, जिसके बाद दाखिले शुरू हुए। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर से विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ दाखिला लेने पहुंचे। करनाल के अंजनथली स्थित बागवानी महाविद्यालय में 94 सीटों

और अंबाला के चांदसौली स्थित बागवानी महाविद्यालय में 23 सीटों पर दाखिले किए जा रहे हैं।

कुलपति प्रो. मल्होत्रा ने स्वयं कैंपस हॉल में जाकर दाखिला प्रक्रिया का जायजा लिया और विद्यार्थियों व अभिभावकों से बातचीत की। विद्यार्थियों ने बताया कि उन्हें एडमिशन के दौरान पूरी सुविधा मिली और हर समस्या का तुरंत समाधान किया गया।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, **'संजना भारती'** को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली

वाटसेप नम्बर: 9871221635

जिला में आगामी सात नवंबर तक चलाया जाएगा हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान: डीसी प्रीति

हर मोहल्ला, हर गली, हर मकान, स्वच्छ हरियाणा की पहचान

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि 7 नवंबर तक हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। जिसका टैग लाईन हर मोहल्ला, हर गली, हर मकान, स्वच्छ हरियाणा की पहचान है। इस अभियान के तहत जिला में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाएगी, जिसमें जागरूकता कार्यक्रम, कूड़ा-कचरा प्रबंधन, खाली पड़े प्लाटों से कूड़े का उठान, ग्रीन एंड क्लीन हरियाणा, जल संसाधन की साफ-सफाई, सफाई मित्र सम्मान अभियान, क्लीन स्ट्रीट एंड हैल्दी ईटस, बेसहारा पशुओं के शिफ्टिंग का कार्य, जन भागीदारी कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, स्वच्छता उत्सव अभियान आदि शामिल हैं। सभी उपमंडल अधिकारी एवं नगर पालिका सचिव अपने-अपने क्षेत्र का दौरा करें और सफाई के क्षेत्र में अपने जिला को नंबर-1 बनाएं।

डीसी प्रीति लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रही थी। सभी विभाग इस अभियान के अंतर्गत आमजन के सहयोग से सफाई कार्य में तेजी लाएं। सभी एसडीएम अपने क्षेत्र में चेयरपर्सन व पार्षदों की बैठक लें और उन्हें इस अभियान के बारे में अवगत करवाएं। फील्ड का दौरा करें और निरीक्षण करें कि हर मोहल्ला, हर गली, हर मकान स्वच्छ है या नहीं। सीवरेज की व्यवस्था सही है या नहीं। सरकारी भवनों में साफ-सफाई करवाना सुनिश्चित करें। ग्रीन एवं क्लीन हरियाणा के तहत कालोनी, मार्किट, स्कूल व पार्कों में पौधा रोपण करवाएं। पार्कों में लगाए गए ओपन जिम की रिपेयर, डस्टबिन की व्यवस्था, शौचालय की साफ-सफाई तथा पौधे लगाएं। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में तालाब, झील व नहरों की सफाई करवाई जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि जोहड़, तालाब में सॉलिड वेस्ट न डाला जाए।

उन्होंने कहा कि सफाई मित्र सम्मान अभियान के तहत सफाई कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के साथ-साथ उन्हें दस्ताने व मास्क आदि पीपीई किट उपलब्ध करवाई जाए। अच्छा कार्य करने वाले सफाई मित्रों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्लीन स्ट्रीट-हैल्दी ईटस के तहत मार्केट में जहां पर रेहड़ी-फड़ी लगाई जाती है, वहां साफ-सफाई के साथ-साथ डस्टबिन आदि की व्यवस्था होनी चाहिए। इसके साथ ही प्लास्टिक पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बेसहारा पशुओं को गौशाला में छोड़ते हुए उनकी टैगिंग की जाए। इसके साथ ही सभी सुलभ शौचालयों की साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। सड़कों व ड्रेनों पर हुए अतिक्रमण को हटाया जाए। इस अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके सफाई के प्रति जन जागरूकता लाएं। स्वच्छतम व अन्य एप्स पर आने वाली शिकायतों का तुरंत प्रभाव से समाधान सुनिश्चित किया जाए।

इस मौके पर एडीसी दीपक बाबू लाल करवा, जिला परिषद के सीईओ सुरेश राविश, एसडीएम कैथल अजय सिंह, एसडीएम गुहला कैप्टन प्रमेश सिंह, कलायत एसडीएम अजय हुड्डा, डीडीपीओ रितु लाठर, ईओ दीपक कुमार, नगर परिषद सचिव भानू शर्मा, कलायत नगर पालिका सचिव पवन शर्मा, राजौंद नगर पालिका सचिव नरेंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

'हर मोहल्ला, हर गली, हर मकान-स्वच्छ हरियाणा की पहचान' थीम पर चलेगा स्वच्छता अभियान

एसबी विशेष संवाददाता करनाल। हरियाणा प्रदेश सरकार ने जिले को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान-2025 की शुरूआत कर दी है। यह अभियान 24 अगस्त से 7 नवम्बर तक 11 सप्ताह तक चलेगा। इसकी थीम ह्यहर मोहल्ला, हर गली, हर मकान-स्वच्छ हरियाणा की पहचानह्ण रखी गई है। सोमवार को लघु सचिवालय सभागार में आयोजित बैठक में उपायुक्त उत्तम सिंह ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग अपनी जिम्मेदारियां पूरी निष्ठा से निभाएं और अभियान में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने

कहा कि इस दौरान सरकारी विभागों, शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, बैंकों और निजी कार्यालयों में सफाई सुनिश्चित की जाए। सभी कार्यालयाध्यक्ष अपने परिसर को जीरो वेस्ट कार्यालय घोषित करें और पुराने व बेकार पड़े सामान जैसे फर्नीचर व इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का निपटान नीलामी के माध्यम से करवाएं। कार्यालयों की फाइलों का भी उचित प्रबंधन किया जाए। उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के किनारे पड़े कूड़े-कचरे को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। डीसी ने नगर निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि भवन निर्माण से निकलने वाले मलबे का समय पर उठान सुनिश्चित करें और नियमों का पालन न करने वालों पर सख्त कार्रवाई करें। सभी एसडीएम को आदेश दिए गए कि वे अपने-अपने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की निगरानी करें। उन्होंने सीएमओ को अस्पतालों में सफाई और बायो मेडिकल वेस्ट के उचित निपटान पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। औद्योगिक इकाइयों में भी सफाई अभियान चलाने के लिए जीएम, डीआईसी को जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक में नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा-निदेर्शों के अनुसार इस अभियान को सफल बनाने के लिए 11 अलग-अलग थीम और गतिविधियां निर्धारित की गई हैं। इनमें स्वच्छता संकल्प, सार्वजनिक स्थानों की मरम्मत, जन जागरूकता, हरा-भरा हरियाणा, जल निकायों की सफाई, सफाई मित्र सम्मान, स्वच्छ बाजार अभियान, आवारा पशु प्रबंधन, स्वच्छता संदेश, स्वच्छता उत्सव और भव्य स्वच्छता पुरस्कार शामिल हैं।

डीसी ने विशेष रूप से कहा कि कार्यालयों में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाए। अगर कोई कर्मचारी पॉलीथिन का उपयोग करता पाया जाए तो उस पर जुमार्ना लगाया जाए। उन्होंने नगर निगम और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को निर्देश दिए कि बड़े दुकानदारों और रेस्टोरेंट संचालकों पर चालान काटकर इसकी साप्ताहिक रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

एसपी आस्था मोदी ने पुलिस व आमजन में आपसी तालमेल हेतु जिला स्तरीय पुलिस-पब्लिक समन्वय कमेटी के बैठक की अध्यक्षता की

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार कैथल। हरियाणा पुलिस महानिदेशक के आदेशानुसार जिला कैथल में जिला स्तरीय पुलिस-पब्लिक समन्वय कमेटी का गठन किया गया है। इसी क्रम में सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय कैथल में पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी की अध्यक्षता में पुलिस-पब्लिक समन्वय मीटिंग का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य पुलिस व आमजन के बीच आपसी सहयोग व तालमेल को मजबूत बनाना तथा अपराधों की रोकथाम के लिए संयुक्त प्रयास करना रहा। बैठक में विभिन्न गांवों व कस्बों से जुड़े मौजिज व्यक्तियों ने भाग लिया और अपने क्षेत्र की समस्याओं को एसपी के समक्ष रखा। बैठक के दौरान उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने नशा तस्करी, सट्टेबाजी, ट्रैफिक व्यवस्था और स्थानीय स्तर की अन्य समस्याओं बारे विस्तार से चर्चा की। एसपी आस्था मोदी ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि पुलिस व जनता के बीच सहयोग से ही अपराध मुक्त और सुरक्षित समाज की स्थापना संभव है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे क्षेत्र में हो रही किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

15 सितंबर से धान खरीद शुरू करने की मांग तेज, किसान संगठनों ने 1 सितंबर को सीएम आवास घेराव का किया एलान

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी करनाल। हरियाणा के किसानों ने सरकार से मांग की है कि 15 सितंबर से धान की खरीद शुरू की जाए। इस बीच हरियाणा किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा ने 1 सितंबर को कुरुक्षेत्र स्थित सीएम आवास का घेराव करने का एलान किया है। करनाल में इस विशाल प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर भारतीय किसान यूनियन सर छोटूराम के सदस्य सक्रिय हो गए हैं और गांव-गांव में जन जागरण अभियान चलाया जा रहा है।

प्रदेश प्रवक्ता बहादुर मेहला बलड़ी ने बताया कि सोमवार को जुंडला गांव में किसान नेताओं ने नुक्कड़ सभाएं कीं और सरकार की किसान विरोधी नीतियों की पोल खोली। उन्होंने कहा कि करनाल के प्रत्येक गांव से किसान इस प्रदर्शन में शामिल होंगे। किसान नेताओं ने कहा कि वे अपने हकों की लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार हैं। किसान संगठनों की प्रमुख मांगों में 15 सितंबर से धान की खरीद शुरू करना, खाद वितरण में पोर्टल की कंडीशन खत्म करना, फिजी वायरस से खराब हुई फसल का विशेष गिरदावरी करवाकर मुआवजा देना, एमएसपी की गारंटी, नकली बीज-कीटनाशक पर रोक, नहरों व ड्रेनों की सफाई, सिंचाई सुविधाओं में सुधार और ट्यूबवेल कनेक्शन की प्रक्रियाओं को सरल बनाना शामिल है। साथ ही किसानों ने बिजली बिल और स्मार्ट मीटर योजना को वापस लेने की भी मांग की।

इस अवसर पर छत्रपाल सिंधड़, जगदीप ओलख, सुखविंद्र झब्बर, जोश गिल बालू, अमृतपाल बुग्गा, हैप्पी ओलख, प्रगट सिंह, साहब सिंह, दलजीत पाढा, चरणजीत थाबल, राममेहर नंबरदार, बलदेव विर्क, बक्खा सिंह गोराया, लक्खा सिंह प्योंत और हरभजन सिंह मौजूद रहे।

कैथल में विद्यार्थियों ने क्वांटम युग: संभावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रस्तुति दी

- **प्रथम स्थान पर अनीता (सीवन), द्वितीयः आदित्य कुमार शर्मा, रा.मॉ.स.व.मा.वि. (मिशन बुनियाद राजौंद), तृतीयः तमन्ना (बालू)**
- **इस प्रकार की प्रतियोगिता देश के विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास को नई दिशा देगीः जिला शिक्षा अधिकारी कैथल डॉ. विजय लक्ष्मी**

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार कैथल। राधा कृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल मॉडल टाउन जींद रोड- कैथल में जिला स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विजय लक्ष्मी की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी जिला विज्ञान विशेषज्ञ सुशील कुमार रहे।

डॉ. विजय लक्ष्मी ने बताया कि इस वर्ष विज्ञान संगोष्ठी का विषय क्वांटम युगः संभावनाएं एवं चुनौतियां निर्धारित किया गया है। विद्यार्थियों ने पहले ब्लॉक स्तर पर प्रस्तुति दी थी और वहां से चयनित छात्र-छात्राओं ने जिला स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि तथा कौशल में निखार आता है।

छात्रों की प्रस्तुतियां सराहनीयः जिला विज्ञान विशेषज्ञ सुशील कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक सिद्धांतों, भविष्य की संभावनाओं तथा मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों को रोचक उदाहरणों के साथ प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुतियों से यह स्पष्ट हुआ कि जिले के छात्र भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन कन्या स्कूल पाई की शिक्षिका श्रीमती रूपा शर्मा ने किया।

निर्णायक मंडल में श्रीमती इंदु (पीजीटी फिजिक्स, कन्या स्कूल सीवन) एवं श्रीमती सारिका (पीजीटी फिजिक्स, कन्या स्कूल कैथल) शामिल रहीं। राधा कृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल के डायरेक्टर लाभ सिंह लैलर ने जिला शिक्षा अधिकारी व विज्ञान विशेषज्ञ का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है।

विजेताओं को किया गया सम्मानितः कार्यक्रम के अंत में जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों व अध्यापकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर गोपाल (सेवानिवृत अध्यापक), रिशु कंसल (पीजीटी केमेस्ट्री), कुसुम लता (पीजीटी केमेस्ट्री), बलवंती और दिनेश कुमार (विज्ञान अध्यापक) का विशेष सहयोग रहा। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से अधीक्षक सुरेश कौशिक उपस्थित रहे। राधाकृष्णन सी सै स्कूल आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष भूमिका निभाई। उनके चैयरमेन, प्रिंसिपल, स्टाफ का सहयोग प्रशंसनीय रहा।

प्रतियोगिता परिणामः आयोजित प्रतियोगिता में प्रथमः अनीता, कक्षा 10वीं, पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सीवन

द्वितीयः आदित्य कुमार शर्मा-नीमवाला, कक्षा 9वीं, राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मिशन बुनियाद-राजौंद

तृतीयः तमन्ना, कक्षा 10वीं, राजकीय कन्या हाई स्कूल, बालू

बताया गया कि प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी आगामी सितंबर माह में एससीईआरटी गुरुग्राम में होने वाली राज्य स्तरीय संगोष्ठी में भाग लेंगे। खंड शिक्षा अधिकारी राजौंद एवं सीवन बलबीर कश्यप ने सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी है उन्होंने कहा कि यह विद्यार्थी भविष्य में अपने विद्यालय, जिला कैथल व माता-पिता का नाम रोशन करेंगे। स्कूल प्रिंसिपल राजौंद विजेंद्र सिंह ने उनके विद्यालय के सफल रहे विद्यार्थी आदित्य कुमार शर्मा को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है उन्होंने कहा कि विद्यालय के शिक्षक रोहित शर्मा ने विद्यार्थी का बेहतरीन मार्गदर्शन, सहयोग, प्रोत्साहित किया जिसके फल स्वरुप विद्यार्थी ने यह ख्याति अर्जित की है। प्रिंसिपल ने सफल विद्यार्थी, शिक्षक रोहित शर्मा व अभिभावकों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि हमें हमारे विद्यार्थी पर गर्व है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा विद्यार्थी गुरूग्राम में राज्य स्तर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भी विजय का प्रचम लहराएगा।

ब्रह्माकुमारीज की सोशल सर्विस विंग द्वारा लगाया विशाल रक्तदान शिविर

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग असन्ध। रक्तदान सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। रक्त की एक-एक बूंद कीमती है और यह किसी को नया जीवन दान दे सकती है। इसलिए युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे रक्तदान शिविरों में पहुंचकर बढ़ चढ़कर रक्तदान करें। उपरोक्त विचार बीके सरिता ने ब्रह्माकुमारीज संस्थान के सोशल सर्विस विंग की ओर से करनाल रोड स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित करते हुए कहे। बीके उषा दीदी ने भी रक्तदाताओं को सम्मानित किया। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे आगे भी नियमित रक्तदान कर मानवता की सेवा में योगदान दें। गोल्डन ग्रुप ऑफ फाउंडेशन के अध्यक्ष दिलबाग मूंड ने कहा कि इस प्रकार के शिविर का आयोजन समय-समय पर होते रहना चाहिए, जिससे किसी की जान रक्त की कमी से न जाने पाए। हमें ज्यादा से ज्यादा लोगों को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

इस अवसर पर अजय कुमार, प्रवीण कुमार, अंकुश बिसला, रविन्द्र, एडवोकेट नरेन्द्र शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

राजौंद की जर्जर सड़कों से लोग बेहाल

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार राजौंद। राजौंद की सड़कों की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं है। हालात ऐसे हैं कि कई जगह यह पहचानना भी मुश्किल हो गया है कि यहां कभी सड़क थी भी या नहीं। जगह-जगह गड्ढों और मिट्टी में वाहन धंस रहे हैं, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है। भारी वाहन गुजरते वक्त दुकानदार और राहगीर सहम जाते हैं कि कब कहां से आफत आ जाए। नागरिकों का कहना है कि मुख्य सड़कें, सब रास्ते अवरुद्ध जैसे हो गए हैं। कैथल से असंध पहुंचना जोखिम भरा काम बन चुका है। आए दिन लोग सड़कों पर उतरकर प्रशासन के खिलाफ गुस्से का इजहार करते हैं, लेकिन हालात जस के तस बने हुए हैं।

जब इस बारे में बी एंड आर विभाग से पूछा गया तो अधिकारियों ने बताया कि सड़क के बीच पाइप पब्लिक हेल्थ विभाग द्वारा दबाए गए थे और उनका भुगतान भी वही करेगा। भुगतान न होने के चलते सड़क का निर्माण अधर में लटका है।

वहीं पब्लिक हेल्थ विभाग के एसडीओ जगदीश कुमार ने कहा कि बी एंड आर विभाग का बिल रिपोर्ट बनाकर उच्च अधिकारियों को भेज दिया गया है। जैसे ही राशि स्वीकृत होकर मिलेगी, भुगतान कर दिया जाएगा। अब लोगों की मांग है कि जल्द से जल्द समाधान निकालकर सड़कें दुरुस्त की जाएं ताकि उनका जीवन सामान्य हो सके।

जींद में होने वाले भव्य परिचय सम्मेलन को लेकर राजकुमार गोयल की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री नायब सैनी से मिला अग्रवाल समाज का शिष्टमंडल

संजना भारती संवाददाता जीन्द। आगामी 07 सितम्बर को जींद के अग्रसेन स्कूल में होने वाले उत्तर भारत स्तरीय विवाह योग्य अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन को लेकर अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के शिष्टमंडल ने प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार गोयल की अध्यक्षता में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से चंडीगढ़ में मुलाकात की। इस अवसर पर उनके साथ संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सावर गर्ग, महासचिव रामधन जैन, कोषाध्यक्ष पवन बंसल, प्रेस सचिव सोनू जैन, प्रचार सचिव रजत सिंगला इत्यादि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार गोयल ने मुख्यमंत्री को विस्तार से सम्मेलन की रूपरेखा, उद्देश्यों और समाज की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने

बताया कि यह सम्मेलन समाज की एकता, शिक्षा, संस्कार और नई पीढ़ी को सही दिशा देने का कार्य करेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अग्रवाल समाज के इस ऐतिहासिक आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में नई ऊर्जा और आपसी एकता का संदेश देते हैं। उन्होंने शिष्टमंडल को आश्वस्त किया कि सरकार हर स्तर पर समाज की बेहतरी के लिए कार्य करने को तत्पर है। मुख्यमंत्री ने अग्रवाल समाज को आगामी परिचय सम्मेलन की सफलता एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन निश्चित रूप से समाज के युवाओं, महिलाओं एवं प्रबुद्ध वर्ग के लिए नई प्रेरणा लेकर आएगा और सामूहिक सहयोग की भावना को और अधिक सशक्त करेगा।

अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा द्वारा जींद में 7 सितम्बर को आयोजित होने वाले उत्तर भारत स्तरीय विवाह योग्य अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन को लेकर मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी ने अपने शुभकामना संदेश प्रेषित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्रवाल समाज द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में विवाह योग्य युवक-युवतियों एवं उनके अभिभावकों की सुविधा हेतु यह सम्मेलन एक सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि विवाह हमारे समाज में गौरव, गरिमा और परंपराओं को बनाए रखने का आधार है और परिचय सम्मेलन जैसे आयोजन इस प्रक्रिया को और भी सरल एवं प्रभावी बनाते हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि एक ही मंच पर परिवारों को अपनी पसंद के वर-वधू चुनने का अवसर उपलब्ध कराना समाज को संगठित और सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली परिचय पुस्तिका विवाह योग्य युवाओं और उनके अभिभावकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। उन्होंने अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा को इस सफल आयोजन के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं और स्मारिका के प्रकाशन की सफलता की भी मंगलकामनाएं प्रेषित कीं।